
Ribhuproktam Sachchidanandarupatvanirupanam

ऋभुप्रोक्तं सच्चिदानन्दरूपत्वनिरूपणम्

Document Information

Text title : Ribhuproktam Sachchidanandarupatvanirupanam

File name : RRibhuproktaMsachchidAnandarUpatvanirUpaNam.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyah ShaShThAMshaH | adhyAyaH 33| 26-41||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 5, 2023

sanskritdocuments.org

ऋभुप्रोक्तं सच्चिदानन्दरूपत्वनिरूपणम्



(ब्रह्मैव सच्चिदानन्दम्)

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं ओतप्रोतेव तिष्ठति ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सर्वाकारं सनातनम् ॥ 33.26 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं परमानन्दमव्ययम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं मायातीतं निरञ्जनम् ॥ 33.27 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सत्तामात्रं सुष्मात्सुषुम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं चिन्मात्रैकस्वरूपकम् ॥ 33.28 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सर्वभेदविवर्जितम् ।

सच्चिदानन्दं ब्रह्मैव नानाकारमिव स्थितम् ॥ 33.29 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं कर्ता यावसरोऽस्ति हि ।

सच्चिदानन्दं ब्रह्मैव परं ज्योतिः स्वरूपकम् ॥ 33.30 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं नित्यनिश्चलमव्ययम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं वायावधिरसावयम् ॥ 33.31 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं स्वयमेव स्वयं सदा ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं न करोति न तिष्ठति ॥ 33.32 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं न गच्छति न तिष्ठति ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं ब्रह्मणोऽन्यन्न किञ्चन ॥ 33.33 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं न शुक्लं न च कृष्णकम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सर्वाधिष्ठानमव्ययम् ॥ 33.34 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं न तूष्णीं न विभाषणम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सत्त्वं नाहं न किञ्चन ॥ 33.35 ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं परात्परमनुद्भवम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं तत्त्वातीतं भ्रुत्सवम् ॥ 33.3६ ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं परमाकाशमाततम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सर्वदा गुरुरूपकम् ॥ 33.3७ ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सदा निर्मलविग्रहम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं शुद्धयैतन्यमाततम् ॥ 33.3८ ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं स्वप्रकाशात्मरूपकम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं निश्चयं यात्मकारणम् ॥ 33.3९ ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं स्वयमेव प्रकाशते ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं नानाकारं इति स्थितम् ॥ 33.४० ॥

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं भ्रान्ताधिष्ठानरूपकम् ।

ब्रह्मैव सच्चिदानन्दं सर्वं नास्ति न मे स्थितम् ॥ 33.४१ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ऋभुप्रोक्तं सच्चिदानन्दरूपत्वनिर्घणं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्ठांशः । अध्यायः 33 । २६-४१ ॥

- .. shrIshivarahasyam . shankarAkhyah ShaShThAMshaH . adhyAyaH 33. 26-41..

Notes :

Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.

Selected verses from Ribhu Gita have been compiled here based on similarity of content.

Proofread by Ruma Dewan

Ribhuproktam Sachchidanandarupatvanirupanam

pdf was typeset on August 5, 2023

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

